A–604

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–603

ज्योतिश प्रबोध–01

MA JYOTISH (MAJY)

3rd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सिद्धान्त शिरोमणि ग्रन्थ के अनुसार स्पष्ट दिक् साधन का वर्णन कीजिए।

2. सूर्यसिद्धान्त के अनुसार अयनांश का विवेचन कीजिए।

3. आचार्य लगध एवं आर्यभट्ट का परिचय दीजिए।

4. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा लग्नानयन की विधि का प्रतिपादन कीजिए।

5. कमलाकर भट्ट के कृतित्व एवं व्यक्तित्व का विस्तृत विवेचन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आचार्य वराह मिहिर का परिचय दीजिए।

2. ब्रह्मगुप्त के कृतित्व एवं व्यक्तित्व का विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. पलभा आनयन की विधि का निरूपण कीजिए।

4. भास्कराचार्य के कृतित्व एवं व्याक्तित्व का विवेचन कीजिए।

5. नीलाम्बर झा के कृतित्व एवं व्यक्तित्व का विवेचन कीजिए।

6. अक्षांश, लम्बांश, नतांश एवं कुज्या की परिभाषा लिखिए।

7. गणेश दैवज्ञ का परिचय दीजिए।

8. क्षितिज वृत्त, नाडीवृत्त, याम्योत्तरवृत्त एवं उन्नतांश की परिभाषा दीजिए।

****